an>

Title: Regarding increasing number of road accidents in the country.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : माननीय अध्यक्ष जी, आज 9 अगस्त है, क्रांति का दिन है। मुम्बई के अगस्त क्रांति मैदान में महात्मा गांधी जी ने भारत छोड़ो की घोÂषणा की थी। मैं क्रांतिकारियों के प्रति सद्भावना व्यक्त करता हूं। आज इंटरनेशनल आदिवासी दिवस है,मैं आदिवासी भाइयों को भी शुभकामनाए देता हूं।

मैं एक महत्वपूर्ण विषय को शून्य पूहर में उठाना चाहता हूं। हाल ही में बाढ़ में महाड़ में हादसा हुआ, पुल गिरने के बाद गाड़ियां बह गई। हमारे देश में सड़कों पर अपघात हो रहे हैं, इसकी संख्या हर वर्ष पांच लाख के करीब हो जाती है। वर्ष 2014 में 1,39,671 लोगों की मृत्यु हुई। वर्ष 2015 में 1,50,000 के करीब लोगों की मृत्यु हुई, इस तरह से 4.5 प्रतिशत मृत्यु में वृद्धि हुई है। पिछले दस वर्षों में सड़कों पर अपघात में 1,33,000 लोगों की मृत्यु हुई। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपघात में मरने वालों की उम्र 25 से 60 के बीच है। ये लोग हमारे देश की सम्पति हैं, इसकी हानि हो रही है। सौभाग्य से आज मैंने यह विÂाय जीरो आवर में उठाया है और आज ही यह बिल भी इंट्रोडयूज हो रहा है, मैं उस वक्त इस पर ज्यादा बोलूंगा।

अभी मैं एक ही वाक्य बोलकर अपनी बात समाप्त करूंगा की रोड पर जो अपघात हो रहे हैं, इस तरफ विशेÂा तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकार इसे 50 प्रतिशत घटाने की कोशिश कर रही है। मैं यह सब बातें बिल की चर्चा में कहूंगा लेकिन अब एक ही बात कहूंगा कि खराब रोड, हमारी व्यवस्था और लोकल बॉडीज की अलग से रोड की व्यवस्था के कारण ही दुर्भाग्यवश ये घटनाएं हो रही हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान इस तरफ आकर्Âिात करना चाहता हूं कि जल्दी से जल्दी इस पर कार्रवाई करें।

माननीय अध्यक्ष: श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री रोड़मल नागर, कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री रवीन्द्र कुमार जेना, श्री सी.पी. जोशी, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री शरद त्रिपाठी और श्री सुधीर गुप्ता को श्री अरविंद सावंत द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

12.58 hours

SUBMISSIONS BY MEMBERS-Contd...